राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी

भारत के संदर्भ में जनसंख्या परिवर्तन के

सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव

15-16 फरवरी 2023

पंजीयन प्रपत्र

नाम

पदनाम

संस्था

जन्म तिथि

पता

दूरभाष/मोबाईल

ई-मेल

शोधपत्र/आलेख का शीर्षक

पंजीयन शुल्क नगद/बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट नं. दिनांक बैंक

यात्रा विवरण एवं रायपुर पहुंचने का समय

आवास व्यवस्था की आवश्यकता-हाँ/नहीं, दिन

दिनांक हस्ताक्षर

Book-Post

राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी

भारत के संदर्भ में जनसंख्या परिवर्तन के

सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव

15-16 फरवरी 2023

प्रति,

प्रेषक :

डॉ. टी. एल. वर्मा

संयोजक, राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी

शास. जे योगानन्दम् छत्तीसगढ़ महाविद्यालय

रायपुर, छत्तीसगढ़

मो. : 9425515284, फोन : 0771-2427126

E-mail : tlverma1206@gmail.com

राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी

भारत के संदर्भ में जनसंख्या परिवर्तन के

सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव

Socio - Cultural And Economic Impacts Of Population Change In The Context Of India

15-16 फरवरी 2023

आयोजक

छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद्

एवं

शास. जे योगानन्दम् छत्तीसगढ़ महाविद्यालय

रायपुर (छ.ग.)

संरक्षक एवं प्राचार्य

डॉ. अमिताभ बैनर्जी

संयोजक

डॉ. टी. एल. वर्मा

प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, भूगोल विभाग

शास. जे. योगानन्दम् छत्तीसगढ़ महाविद्यालय

मो. : 9425515284, फोन : 0771-2427126

E-mail : tlverma1206@gmail.com

Media Life : 9827141207

विषय-वस्तु :-

वर्तमान भूमण्डलीकरण के दौर में भारत में जनसंख्या का अध्ययन, शोध एवं नियोजन बहुत महत्वपूर्ण है। सन् 1951 एवं 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि एवं संरचना में विलक्षण परिवर्तन देखे गये हैं। यथा-संख्या, आयुवर्ग, लिंगानुपात, साक्षरता, जन्म-मृत्युदर, आदि।

जनसंख्या में संरचनात्मक परिवर्तन किसी देश के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पर्यावरण पर विशेष प्रभाव डालता है। भारत जनसांख्यिकीय लाभांश (Demographic Dividend) की सकारात्मक स्थिति में है।

यह अर्थव्यवस्था में मानव संसाधन के सतत् विकास को दर्शाता है। सन् 1951 से 2001 के मध्य कुल जनसंख्या में आश्रित जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा था। वर्तमान में भारत में 45 प्रतिशत जनसंख्या 25 वर्ष से कम उम्र की है। निकट भविष्य में भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन जायेगा।

मानव संसाधन के जनसांख्यिकीय पक्षों का आकलन एवं नियोजन देश के विकास हेतु सार्थक प्रयास होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में जनसंख्या में हुए परिवर्तनों का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक प्रभाव राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय रखा गया है।

छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद :-

छत्तीसगढ़ राज्य में भूगोल विषय के अध्ययन-अध्यापन एवं शोध संबधी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु दिनांक 7 नवम्बर 2015 को छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद का गठन प्रोफेसर एच.एस. गुप्ता, सेवानिवृत प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, भूगोल अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के संरक्षण में किया गया, जिसका पंजीयन क्रमांक छ.ग. राज्य 5620 है। इसके प्रथम अध्यक्षडॉ. जे.पी. शिवहरे रहे।

शा. जे. यो. छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर :-

छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद एवं भूगोल विभाग शासकीय जे. योगनन्दम् छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में इस संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह महाविद्यालय 1938 से उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार में संलग्न है। छत्तीसगढ़ राज्य का प्राचीनतम महाविद्यालय होने के कारण प्रदेश में इसका गौरवपूर्ण स्थान रहा है।

इस महाविद्यालय में भूगोल विभाग का प्रारंभ 1952 में हुआ। विभाग को वर्तमान में शोधकेन्द्र का मान्यता प्राप्त है। यहाँ स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं विधि संकाय के साथ 20 विषयों में स्नातकोत्तर स्तर तक अध्ययन की व्यवस्था है। महाविद्यालय में सुसज्जित ग्रंथागार में 77000 से अधिक ग्रथों एवं शोध पत्रिकाओ की सुविधा उपलब्ध है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी, छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर में आयोजित हो रही है। रायपुर, हवाई मार्ग से जुड़ा हुआ है एवं मुम्बई-हावड़ा रेलमार्ग पर स्थित है। फरवरी माह में यहाँ तापमान अधिकतम 32 डिग्री एवं न्यूनतम 24 डिग्री रहता है।

शोध संगोष्ठी के बिन्दु :

1. भारत में जनसंख्या परिवर्तन की चुनौतियाँ एवं निहितार्थ : जन्म, मृत्यु तथा स्थानांतरण की चुनौतियां
2. जनसंख्या परिवर्तन : संरचनात्मक, सामाजिक, आर्थिक आयाम
3. जनसंख्या की गतिशीलता
4. नगरीय एवं ग्रामीण समस्याएं
5. जनसंख्या परिवर्तन के आर्थिक प्रभाव
6. जनसंख्या वृद्धि एवं औद्योगीकरण
7. जनसंख्या परिवर्तन के सांस्कृतिक प्रभाव
8. जनसंख्या के विविध आयाम
9. जनसंख्या वृद्धि एवं जीवन स्तर

शोध-पत्र आमंत्रण

निर्धारित विषय एवं सहायक बिन्दुओं पर शोध-पत्र आमंत्रित है। इच्छुक प्रतिभागी अपनी सहमति एवं शोध- पत्र का सारांश कृति देव अथवा न्यू टाईम्स रोमन में टंकित कर ए-4 साईज पेपर पर ई-मेल द्वारा दिनांक : 31.01.2023 तक अध्यक्ष भूगोल विभाग अथवा सचिव डॉ. ज्योत्सना शर्मा

jyotsana.sharma2568@gmail.com

शासकीय जे. योगानन्दम् छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर 492001 (छ.ग.) के पते पर भेजें। शोध पत्र हिन्दी अथवा अंग्रेजी में प्रस्तुत किया जा सकता है।

युवा भूगोल विद् सम्मान :-

ऐसे भूगोल विद् जिनकी आयु 35 वर्ष से कम हो उनके शोध-पत्रों के मूल्यांकन एवं प्रस्तुतिकरण के आधार पर उनमें से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय क्रम वाले युवा भूगोल विदों को सम्मानित किया जायेगा। सम्मान प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागीइसकी सूचना 31.01.2023 तक अवश्य दे देवें।

पंजीयन शुल्क :-

1. प्रतिभागी 1000/-
2. शोध छात्र-छात्राएं 600/-
3. छात्र/छात्रा 300/-

सुविधाएं :-

शोध-संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए भोजन एवं आवास व्यवस्था महाविद्यालय द्वारा की जावेगी।

आयोजन समिति :-

मार्गदर्शक : प्रो. एच.एस. गुप्ता

संरक्षक एवं प्राचार्य : डॉ. अमिताभ बैनर्जी

संयोजक :- डॉ. टी. एल. वर्मा

सचिव :- डॉ. ज्योत्सना शर्मा

कोषाध्यक्ष :- डॉ. गीता राय

सलाहकार समिति :-

1. प्रो. श्रीमती जय लक्ष्मी ठाकुर
2. डॉ. अवध राम चन्द्राकर
3. डॉ. एम.पी. गुप्ता
4. डॉ. के.के. भूषण
5. डॉ. उमा गोले
6. डॉ. जेड. टी. खान
7. डॉ. ए. बघेल
8. डॉ. सरला शर्मा
9. डॉ. एन.के. बघमार
10. डॉ. किरण गजपाल
11. डॉ. शीला श्रीधर
12. डॉ. बी.पी. कश्यप
13. डॉ. पूर्णिमा शुक्ला
14. डॉ. गौरी वर्मा
15. डॉ. कल्पना लांबे
16. डॉ. राजवंश कौर कोहली